हिम्मतवान बच्चों को बाप की कई गुणा मदद

आज विशेष सेवा के कार्य अर्थ बापदादा के पास जाना हुआ। बापदादा ने बहुत स्नेह सम्पन्न स्वरूप से मिलन मनाया और मधुर दृष्टि से निहाल किया फिर बोले, आओ बच्ची विश्व-कल्याण की सेवा का क्या समाचार लाई हो ? मैं बोली – बाबा, आपके श्रेष्ठ संकल्प प्रमाण लण्डन में सेवा के निमित्त बनने वाले कुछ वी.आई.पीज. (माइक्स) का संगठन है। सब बहुत उमंग प्यार से आये हैं। बापदादा बोले – बहुत अच्छा श्रेष्ठ कार्य के लिए निमित्त बने हैं। फिर बापदादा बहुत मीठा-मीठा मुस्कराते बोले – देखो बच्ची, परमात्मा बाप को भी बच्चों की पुकार, भक्तों की पुकार, समय की पुकार से सर्व आत्माओं की भावना का फल देने आना पड़ा। तो बच्चों को भी समय की पुकार से आत्माओं प्रति रहम दृष्टि दिल में इमर्ज हुई है, यह बहुत अच्छा कार्य उठाया है। जैसे बाप मर्सीफुल है तो फालो फादर तो करना ही है क्योंकि आजकल आत्माओं को अपनी समस्याओं का समाधान मिलने की बहुत तड़फ है। ऐसी भटकती, तड़फती आत्माओं प्रति सेवा के निमित्त बनने से उन आत्माओं के दिल द्वारा जो दुआयें मिलती हैं, उससे निमित्त बनने वाली आत्माओं को अपने प्रति भी खुशी, शक्ति, शान्ति प्राप्त करने का, स्व-परिवर्तन करने का एक्स्ट्रा बल मिल जाता है। बापदादा इस ग्रुप को बाप को फ़ालो करने वाला 'मर्सीफुल ग्रुप' के रूप में देख रहे हैं। सारे ग्रुप की हिम्मत अच्छी है, इसलिए हिम्मतवान बच्चों को परमात्म मदद कई गुणा स्वत: ही प्राप्त होती है। तो बच्चों को कहना कि सदा उमंग-उत्साह से आगे बढ़ते रहना, समस्याओं से, वायुमण्डल से घबराना नहीं क्योंकि आपका साथी स्वयं परमात्मा

बाप है और इतना बड़ा ब्राह्मण परिवार है। ऐसे मीठे बोल बोलते बाबा ने कहा – सबको बापदादा का दिल से सफलता सम्पन्न यादप्यार देना।

उसके बाद बाबा ने विशेष जानकी दादी और सर्व सेवा पर उपस्थित विशेष बच्चों को इमर्ज कर बहुत मीठी दृष्टि दी और हर एक को पर्सनल प्यार की भासना दे रहे थे। बाबा का बहुत-बहुत मोहिनी रूप था और बोले, बच्चे बहुत मेहनत करते है लेकिन मुहब्बत के झूले में झूलते हुए सेवा करते, इसलिए खूब नाचते, गाते हँसते, खेलते सेवा में पार्ट बजाते रहते हैं। दादी जानकी के लिए कहा – ''सेवा और सम्भाल'' दोनों का बैलेन्स रखना है। एक-एक सेवा-निमित्त बच्चों को नाम और इमर्ज रूप से यादप्यार दी जो सबने ज़रूर स्वीकार की ही है। अच्छा।